Item Code: 641 തിയ്യതി..... Participant Code: 039

तो मैं क्या करूँ....

जीवन की इस तुफान में
उत्साहित किया मुझे मेरे सपनो ने
चलता गया अपने जीत की ओर
पर हर मोड़ पे दिलें मे मच जाती शोर।

कभी था संदेह अपने ऊपर
लेकिन जीत का जज़बात चढ़ा था सर पर
करके अपने दुख-पीडा को कुरबान
निकल पडा सच करने सपना अपना।

जब जिंदगी की गलियों मे भटकते
देखा मैंने दो रास्ते,
'तो मैं क्या करूँ अब' सोचके रह गया मैं सुन्न
जब जिंदगी में पडी मुश्किलों का पवन।

जीवन की गलियों मे आया नक मोड़
जहाँ अलग रास्ते दिखा चारो ओर
जहाँ खडा था मेरा सपना और मेरा परिवार

मैं क्या करूँ जब चौडना पडे मुझे रास्ता
जो ले चले मुझे सपनों की ओर।

नीयति ने यह कैसा खेल है खेला
अब पड गया हूँ अकेला
आखों में आँसू भी भर आता
यह हृदय बस एक ही सवाल में पड जाता।

जिंदगी के मुश्किलों से लडकर
करना था पूरा मेरा सफर
लेकिन नीयति (नी) ने दिखाए दो रास्ते
अब नहीं होता सपनो को हकीकत में लाने का सबर।

तो मैं क्या करूँ जब सपनो को कर नहीं सकता पूरी
क्योंकी जिम्मेदारी निभाना बन गया ज़रुरी,
जब मंज़िल है पाना
पर घर की जिम्मेदारी भी है निभाना।

तो मैं क्या करूँ इस ज़िद्दी दिल का
कैसे करूँ अपना भोज हल्का
जिस दिल पर आ गई है ~~खे~~ खरोच
मैं क्या करूँ जो लगाऊ इस दिल पर मरहम हर रोज़।

तो अब मैं क्या करूँ जब रह गया सपना अधूरा
इस प्रश्न ने कर दिया मुझे खोकला।
नीयति ने मुझे सपनों से दूर है धकेला
तो क्या करूँ जिससे हो जाए मेरा दिल पूरा।

भगवान से मेरी बस एक ही इच्छा
मैं क्या करूँ जब सपने रह गया मेरा कच्चा
ना मैं हार मानूंगी,
अपने जिम्मेदारी के साथ, लक्ष्य को पाऊँगी।

मैं क्या करूँ जब यह दिल है ज़िद्दी इतना
अब एक ही चीज़ को चाहूँ मैं कितना
अब लेकर अपने ज़िम्मेदारी को संग
करूंगी अपने जीवन को रंग।

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

पूछूँ मैं अपने आप से एक सवाल
तो मैं क्या करूँगी कल,
जब साथ में हो जिम्मेदारी,
तो सपनो को जीतके, क्या बन पाऊँगी मैं सबकी दुलारी।

बस एक सवाल है मन में मेरे,
'तो मैं क्या करूँ' जो याद करे मुझे सारे
बस भगवान अब इंतजार है जवाब का तेरे,
मदद करो मुझे पाने है सपने मेरे।

जब जीवन मे आए यह सवाल
तो जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ना सीखो
तो मैं क्या करूँ यह सोचके देखो
[~~इसका जवाब मन में है दुखो~~]
इस सवाल से मन करता है हल-चल।

* **